

पुरथमाभोः तमाभुमाभोजपिच्छाउने—
 तमृतमृतमाभु तमाभुलाई कसो
 कसो लाई पार जसो भौरवायेर
 जी-चंजी नी वृषा ये स्वसो अधी
 देरवी-ची च स्वमृ पद्धि भगुवाहुं फल
 स्वाहा धार २१ नाथे स्वरीलाई धुपय कवाली
 अली कली अदेनाले पुजागरनु हे प्रमेसोरी मेले
 रेको काउरे सिदि हो भनु पुरथ भयपति तमाभुभ
 ये पनी नाथे स्वरी को हो राखी आउनु भोली वलवान
 गईल्यो उनु सो पुरथ जपिच्छा उनु वल्यहुं द आहु
 यक धीन देछेन भमे गुहरी त बोलाउं द ॥ ॥

गोरनकातनु ॥

ॐ प्रसुरामकी वाचा ॐ अग्रादिनाम् वेनी
हा कु हा कु उजे पार दो पार जल मसान
भरोसा थल मसान भरोसा कर्न मसान
भरोसा विर मसान भरोसा जी जी मसान
न भरोसा अरुकी सि का भरोसान
ही अफ के भरोसा हैं भगवान् प्रेम्वा
हादुर के वाचाः ॥ चामल यक मुथी जदि हा
नी पथा ५ नु मंत्र कातनु ॥ ॥

प्याला का ७ वारा ७ वार मुय के ॥

ॐ नमो दोहवीं गरा वीर सिंगरा

म हुं फल स्वाहा धार ७

ईका ५ पका ५ हाक मुखा ५

आरेवे ५ गोगु मास ५ पिथल चोना

सदि चोको गगे याना थप्र देल हथे: भव

देल चोना ७। २९ गगे याना लनुया लवाने

तले थुना थके प्याला ना ७ वारा ७ वारा तु

ली: लीक या वी यलाई ॥ ॥

10

5316

[Faint, illegible text within a pink rectangular border]

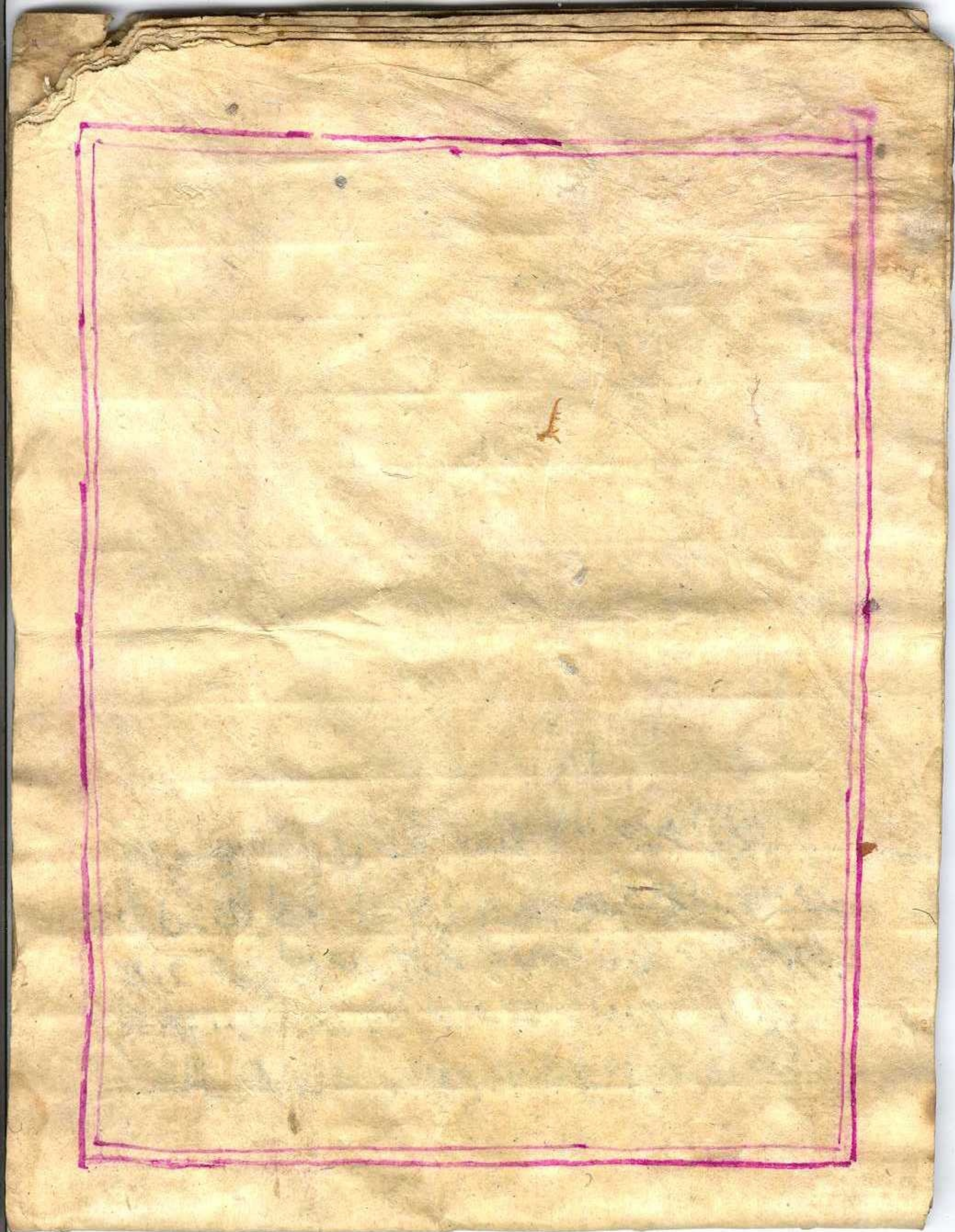
ॐ चुवा चन्द नूला ल के सरी तेरा
नेत्र भुला ॐः फलाना देखाः मन्
रुना ॐः हासि हासि जु भन ले ॐ २
दना मे। हनि स ते थी कु छ को मे
हनि साथ स मुन्द पारत रुं गौरा
पारव नि की वा चाः ॥

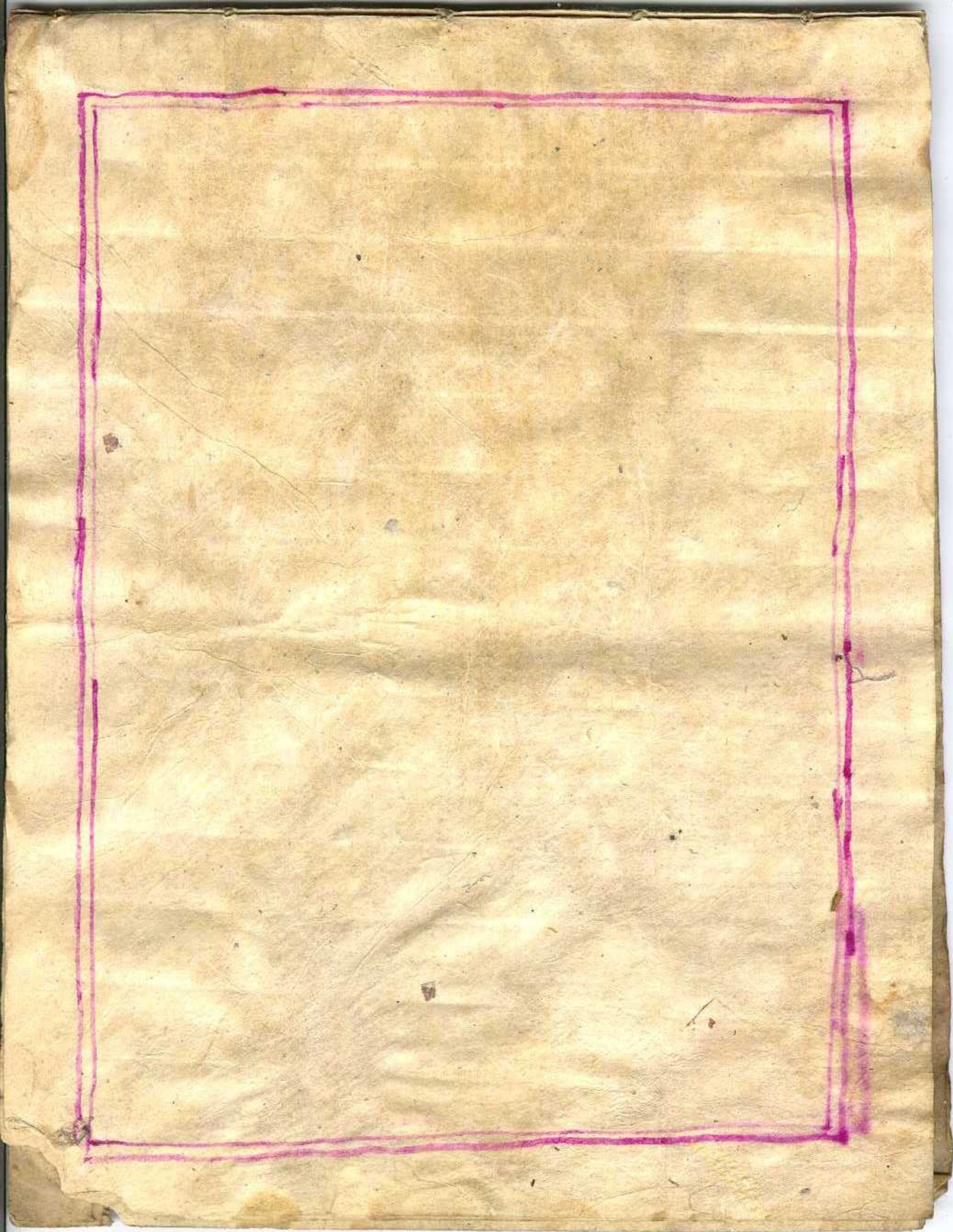
यस मै चले जे मा ज पे र खा य पा ने रुं द गुली यो मा
ज पे र ख ये चारै ला ग द मै च ज पे र फु को दी नु प नी रुं
द ज नी ल को उ गि ज दि खा उ नुः पि थ मा ग र्द २... ५...
ज पि रा ध नु प्र द कु छ को ह नी ॥ ॥

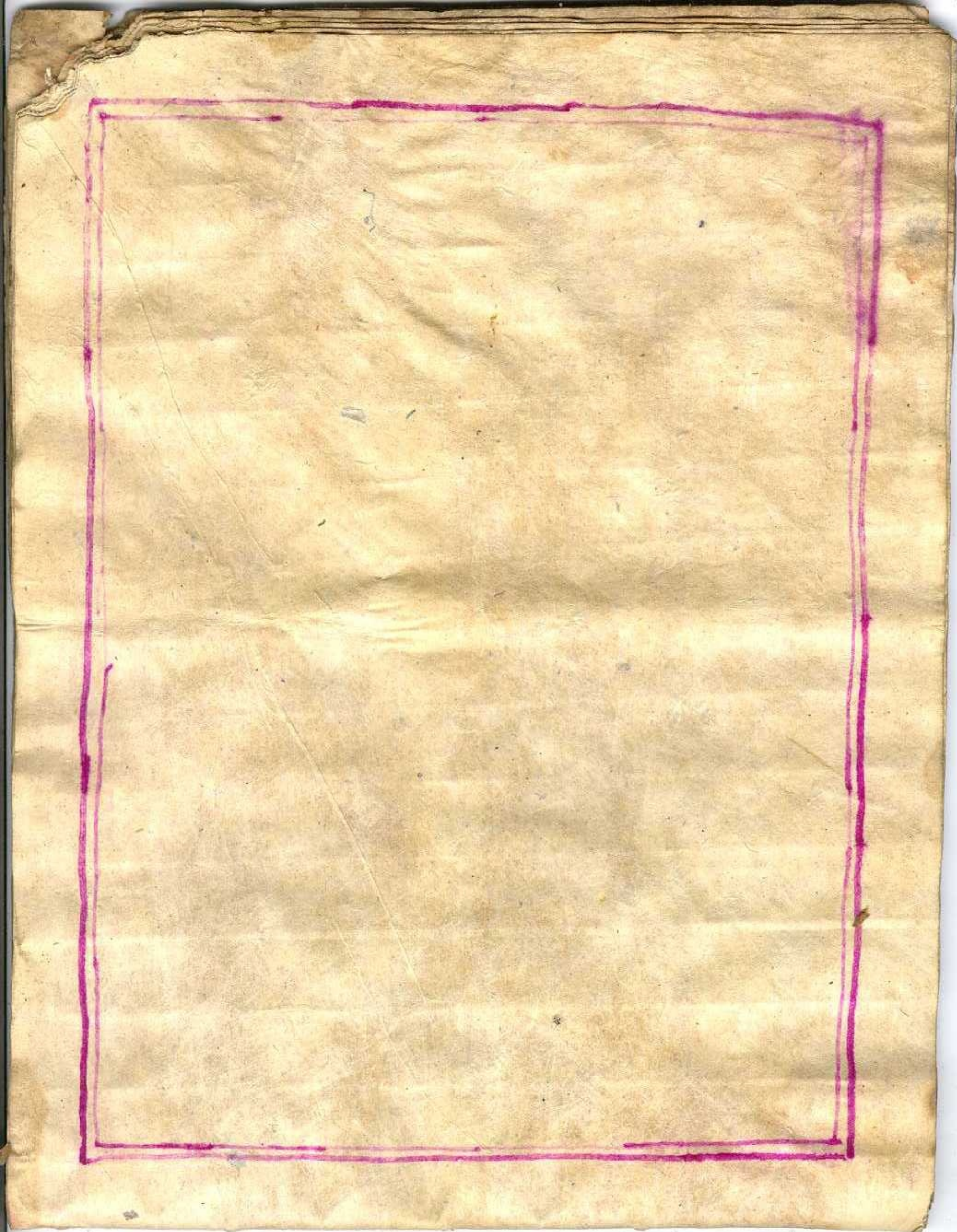
साधार तोला २ सैव्या तोला २ रोदनिहरी
तोला तोला २ सोहरा तोला २ बाधु। तो २
तो वो तोला २ य। लि मिलाई पक्कि म। ते का
थरी धामा न काउनु : सोहि केरा कागाना माः
अ। मिला फूल मा धालि केरा कागाना मा वला
ली राता मा लाले लो पनु गाई कागुई था मा
चार प्रहर प काउनु अकवली हो ॥ ॥

अधु म्या कादसा पुराणि न वम्यां च चतुर्दशि
बली। लि विद्या अवनला भवेत् ॥१॥ जे सा गलाई
चौग धालि चलाई दै रहनु फूल को जमा जिकी
अं बला सार गंध कर हा। लि : बल गर्नु चुरा भया
पक्कि मट्टिका थरिया मा हा। लि ई गुई था को आ
गो मा जला वनु जला भस्म हो ॥ यहि सा गले
पारा जमा वनु आगवास का धुआ मा हा। लि उहि
मा भी पारा हा। लि राखनु पारो जमदः
पारो तोला ३ सुवगा तोला १ हाली बल गर्नु
पारो फुली जांछः फलामको भारा भी बहली
सब मुरी १ प्रहर अगानि दिनु सब की स

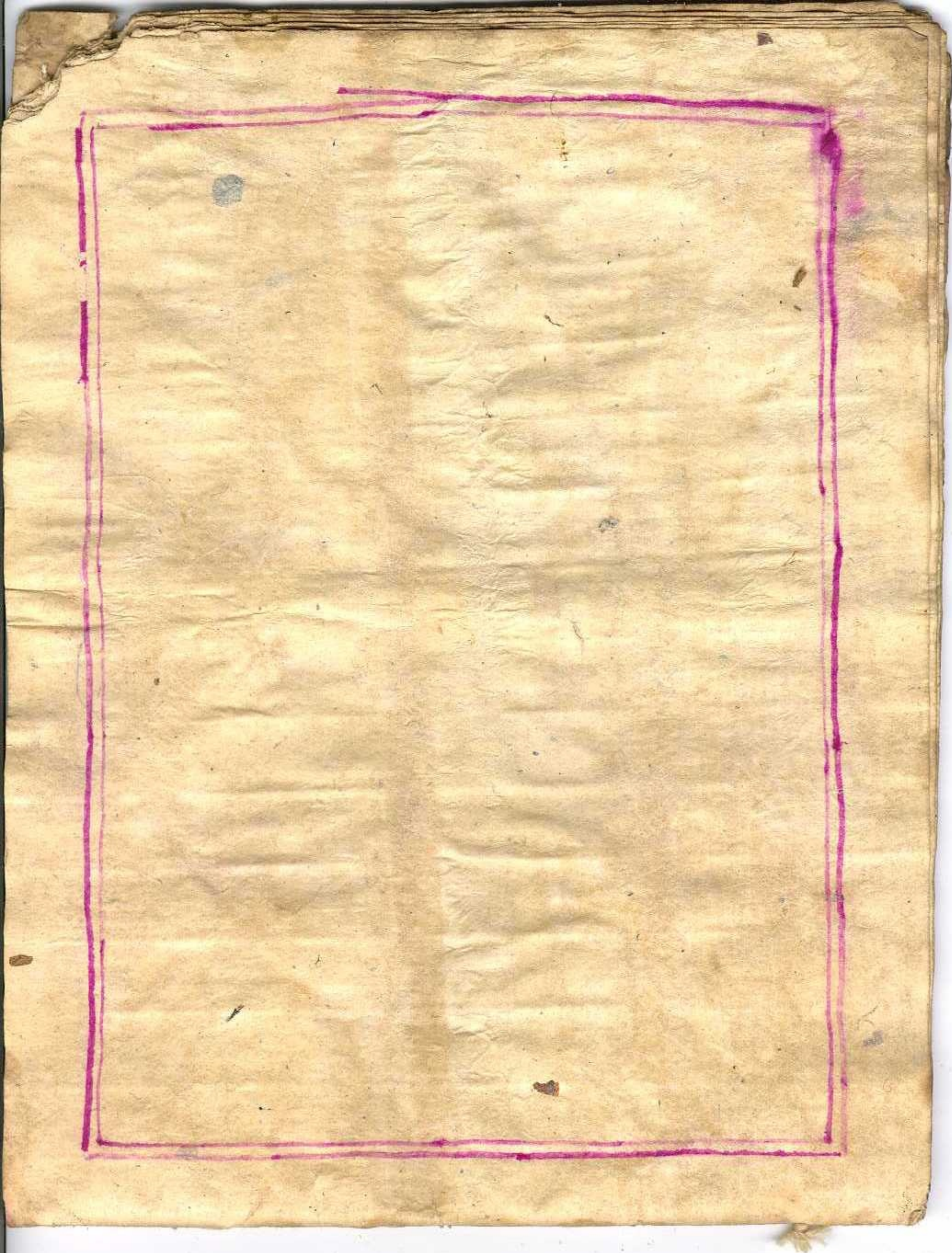
लगातुं चुरागरी तावो मताई लौगुली कार
समा हाली माहुनु मव यहि तावो गाली
यहि चुरा हाली दिनु अकवरी हो यहि अक
वरी धुनु मारी कारस का चोह ले दो कारस
मा पकाउनु दिन १ असल अकवरी हो

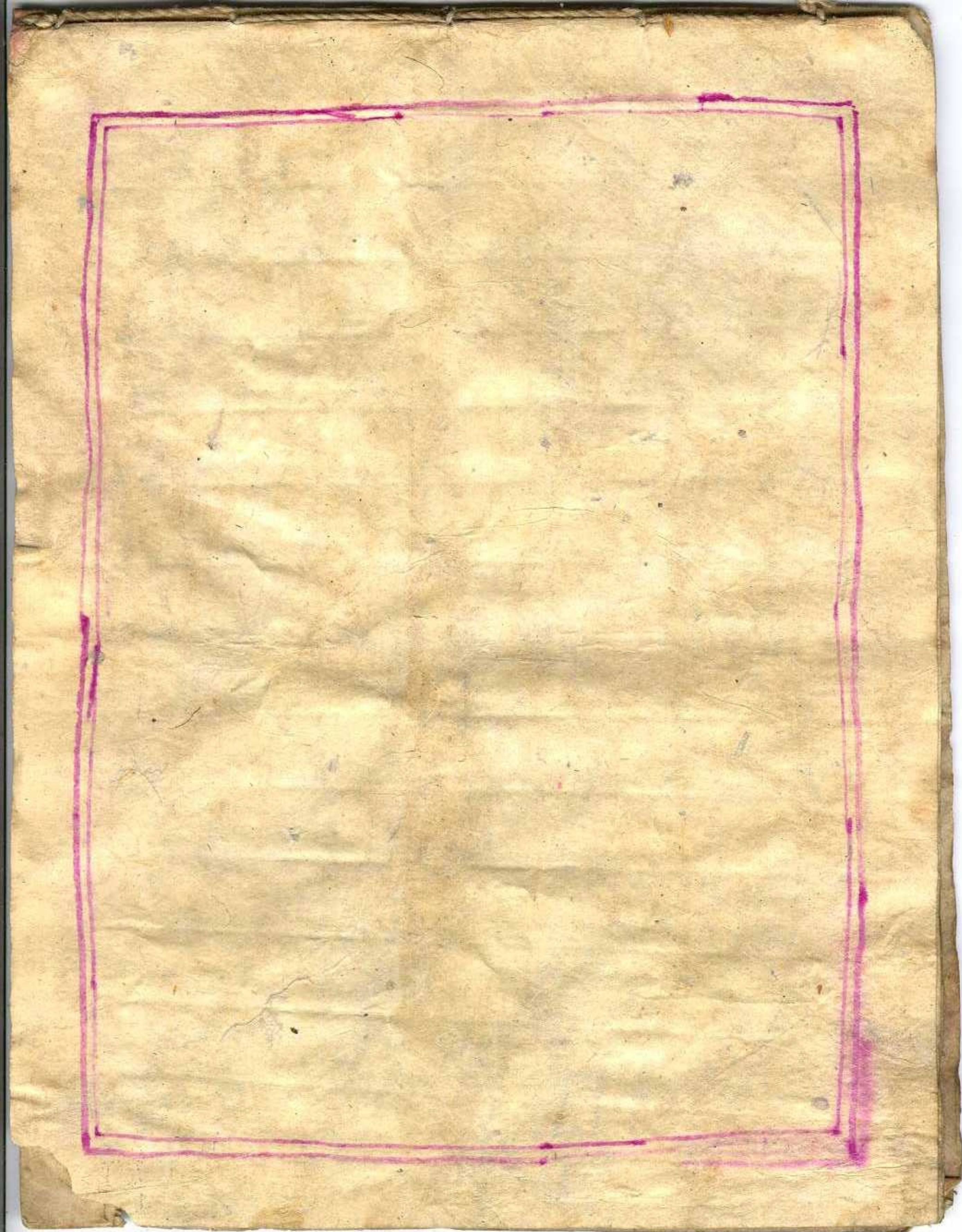


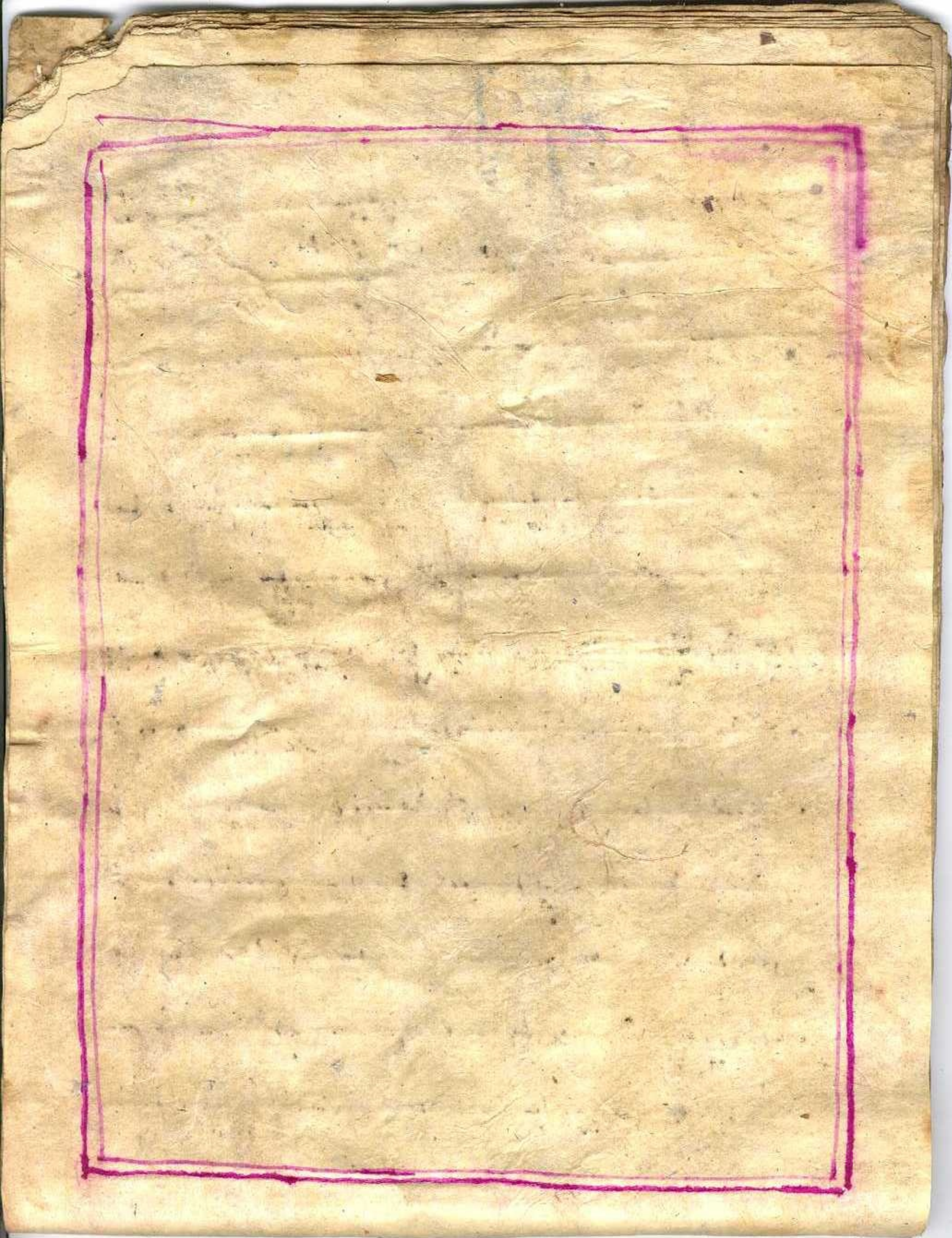








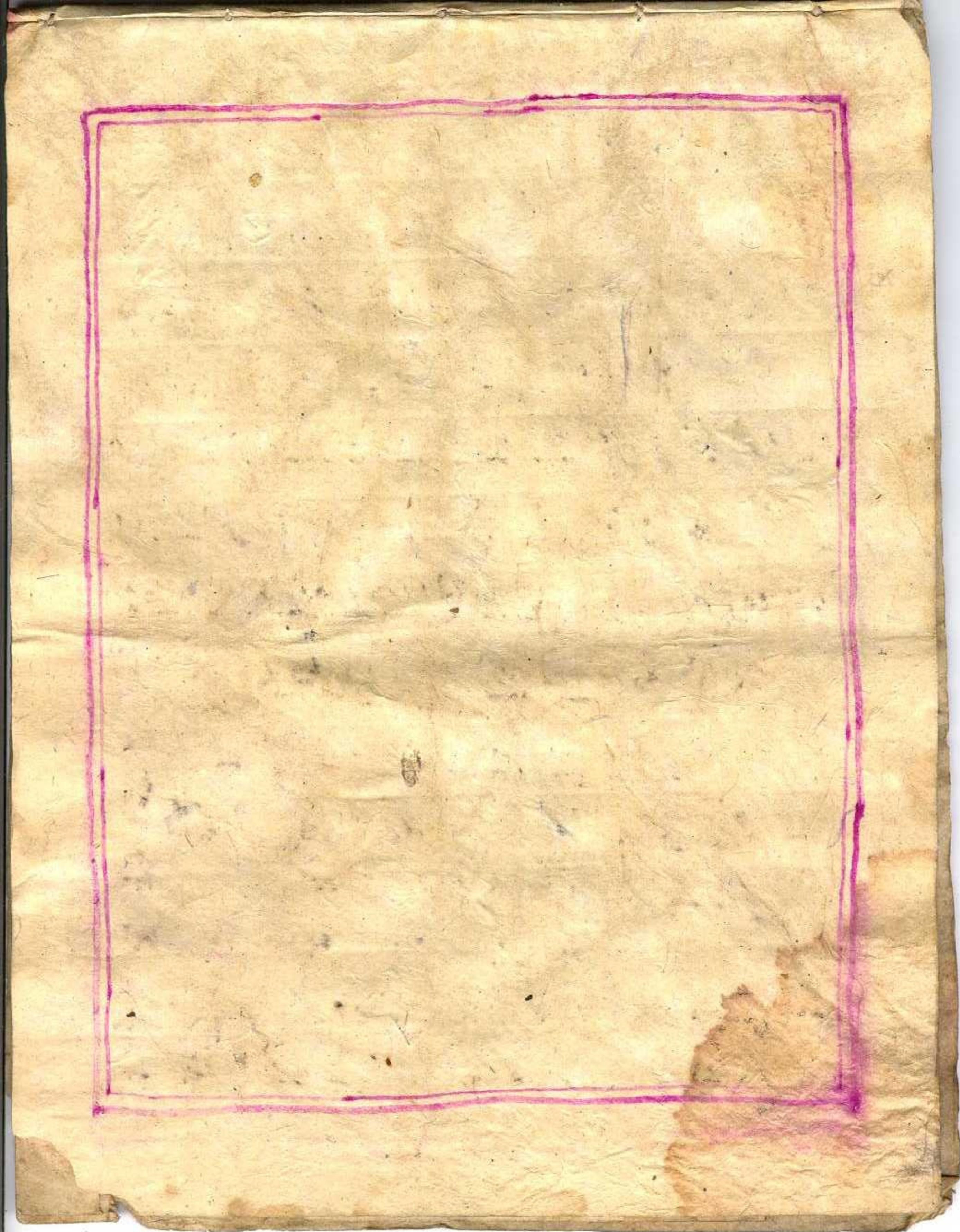


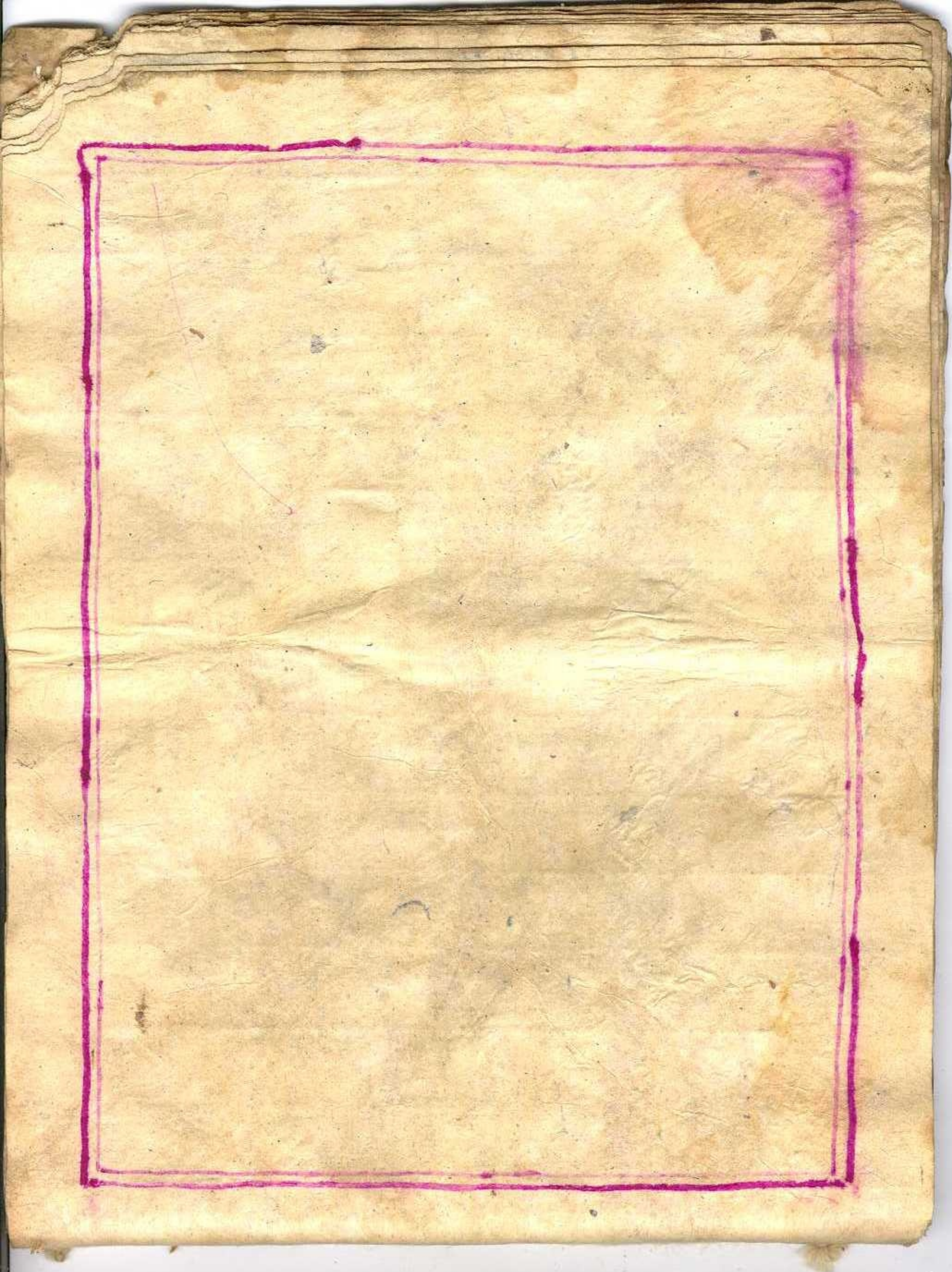


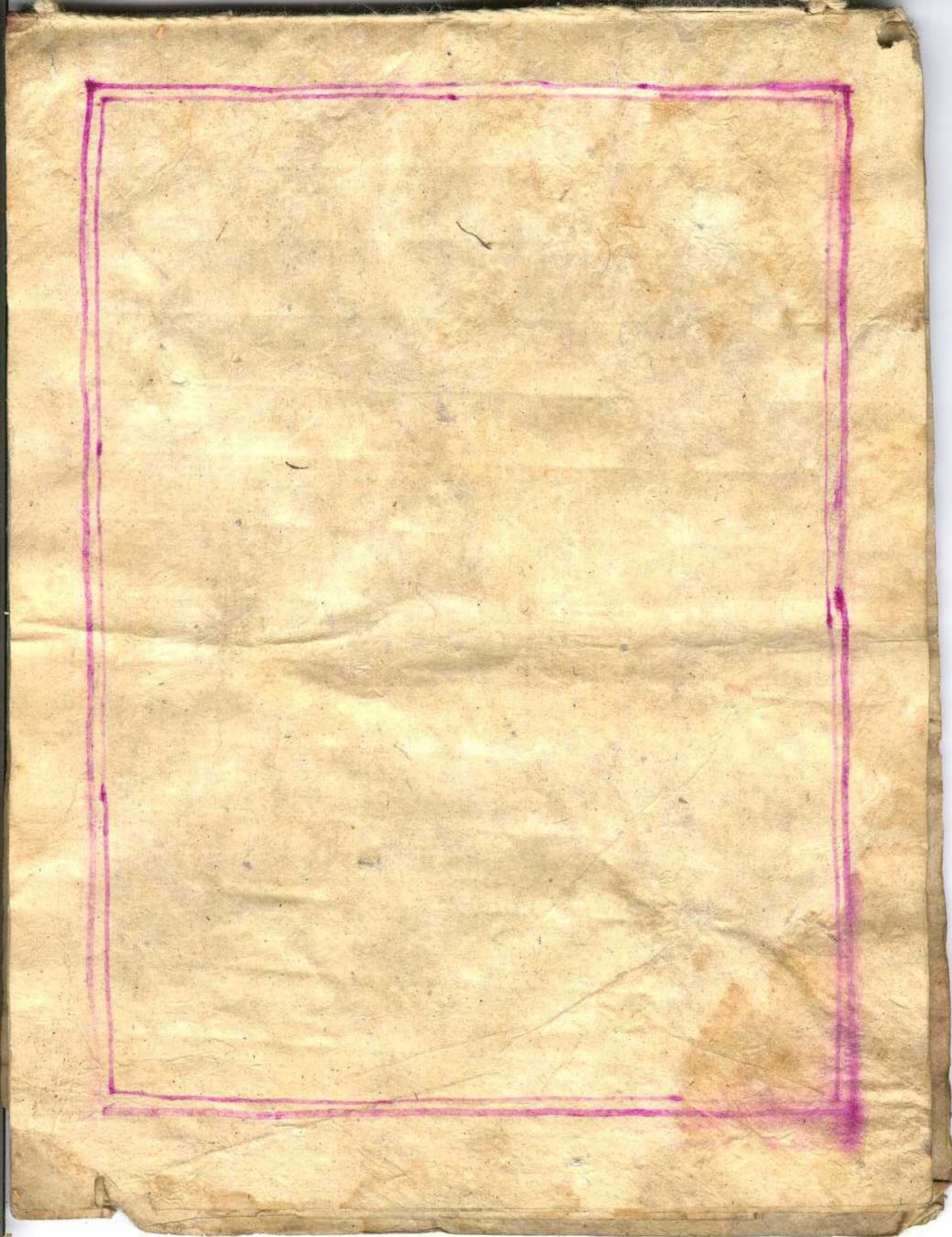
ॐ हौं ह्रीं हूं विरमूरिमाहापिसाचीः
अमुकैः हन २ दह २ पच २ हौं धीं धँ वस
मानायेन मस्वाहाः ॥ विद्युजिजोःजो
ला २ ज्वाला मुरिः भा २ हिं २ क्षु २ फर ॥
पुर्व दखिन् पछिम् उत्तर विरुपाक्षनमः ॥
ॐ गुरुआग्या ॥ विवादय २ भुमय २ नास
य २ मलनं दत्वा ऊं फर स्वाहा ॥ सिद्धि मोह
नि रिद्धि मोहनि वसे मोहनि का कामोह
नि वज्रजोगोनी कामोहनि ॥ ॐ नमो सि
वाय वं वं चित्ते मातङ्गी चन्द्रनवसकलिय
हं स्वाहाः ॐ नमो भैरवाव ताले आग्या क
रैले क मल मुखे राजमोहनी प्रजामोहनी
सत्रुमोहनी स्त्री वसि करने स्त्री पुरुवरज
नि लोक वसे मोहनि मोहय २ ऊरु २ विद्या

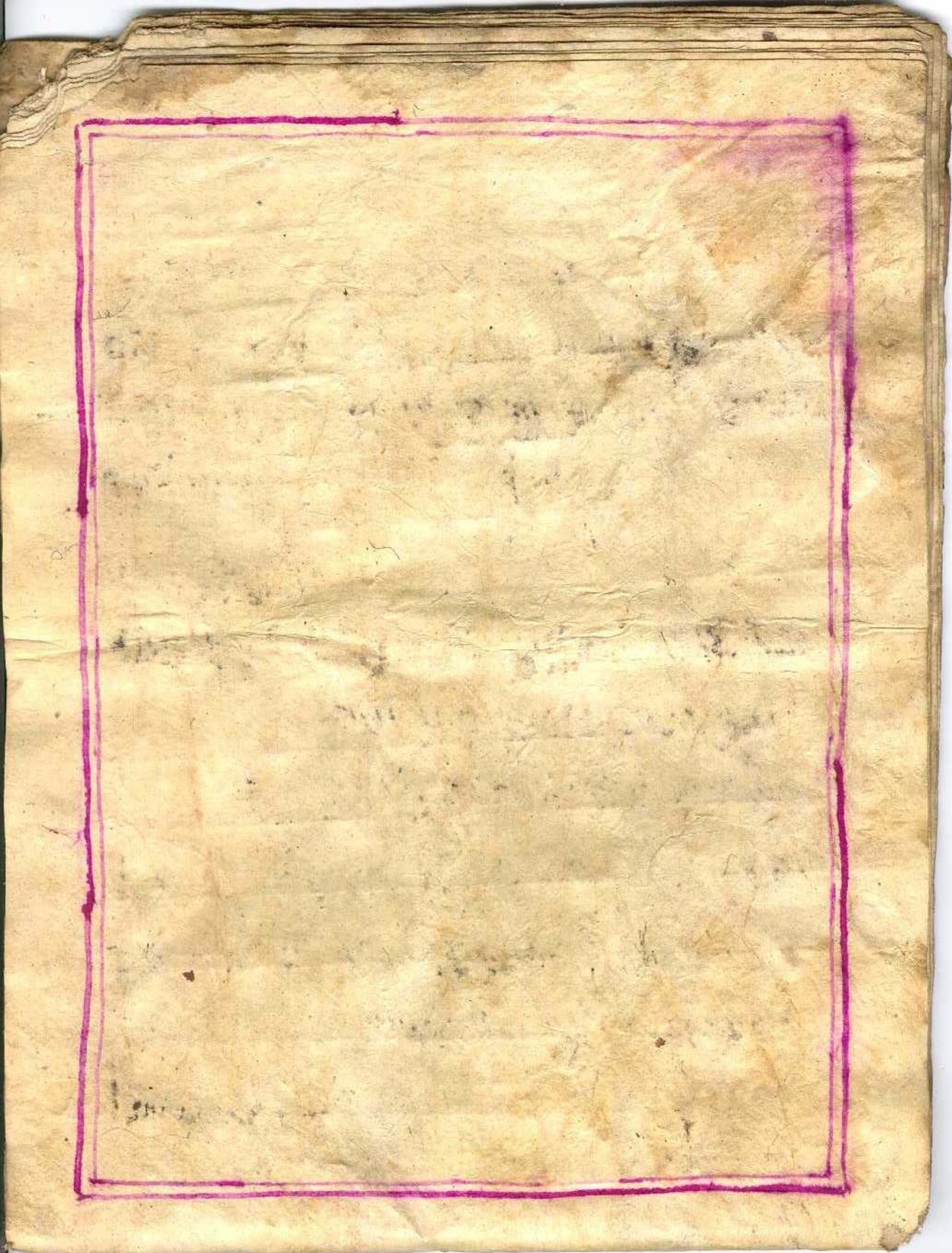
ॐ कृदस्वाहा ॥ वासथो कसुरी
जालोचनरं कुरुम केसरी शीर्षं
अजर अमाल तिस्रानयाहा
गुगुल रगतचंदन पिथया मोहनि
दुष्टिं धरी भोले भाग्याना व गुली
चीने अवल ५ दये के ॥ मंत्र थो

ॐ भु त व स हिं स्वाहा ॥ ५॥ १९०८
देव्या के स्नाना या हि स फी स्प त ये दिन ३०
त माल थो गु। लि स हि हि हि धि या कार थो
न धार वि य मालः चतुर्द सिखु हु पुजा
पिथ स या ना व थो। चि ते नाम का या व
मंत्र थो ॥ ॐ हिं वि हिं वं हिं कृदस्वाहा
५॥ २५ राज मोह नि गु। नि कार दा ॥









हिरी कीरी स्वाहाः॥

मरे को मानिस को कर साथ ओला पाई सो कर
मास बुको ना उले वनु सनि चरवार मा पाउनु
पुजा गरी स बुको धो का को तला गरी दिनु मर द॥

 वेरा निना चा! कि मरा निना
चा॥ ॥ यो मी चले मसान को ध

रा नि मी ची ३ घर को मा जरा वा तो मारा धी दिनु स
नुला तो रुंद॥ ॥

ॐ ई मा पार्वता की वा चाई रु मा च नुला दे वि
द बि का लि का चो स ठि यो नि नि धी गुरु कि वा चा ॥
वे १००८॥ यो मी च ज पि वि रा मी को ना म स धी ज मि
दिनु वे था फर काई दिनु ॥ ॥

ॐ अथ भाकर्सन मंत्र ॥

ॐ मा हा गुरु उ हि उ चु लि ग च चु लि उ
नि था उ ता हा उ प जं जु न के था उ गा ई को
दि जौ वा द्वा सरो वा द्वा कौ दि जौ गा ई सरो ज्वा
कौ दि जौ लो हि सरो आ क र्ब रा हो ई य हि वा चा
जु था म रै लो का व रु का मु द्या दे वि के दु हा
ई गुरु गोर व नाथ के दु हा ई य हि वा चा ऊ
थ प रे लो गुरु गुरु के हा पाः प्र स्र हा पाः लि
व हा पाः गुरु के लो ग ति मे रि भ ग ति कुर मं
ज ई च र मा हा दे व के वा चा ध्या ॥ ७
वे कार म दु ला थो मं ज ज प या य वे कार द्यु मं चं गु मा
ल चु यु ॥ इन्द्र जौ १ का १ व्या हा १ त ला य १ ई का १
लु क मे ल १ रु प के ल र १ लि हा य ३ ॥ थो चु र्वा या ना
मं ज न लो ध न नाना व थो चु य थ ने मा हा व र्श
मं चं गु चु यु ॥ ॐ कु म स्वा हा १०८ थो मं ज नं च
प ज जे या य व्र स म ति वार सु नु ज ग ये या य

ॐ कालिमाहा कालिमसान कालि
 मरचरहिं कादुधरिमंचविरसिंह
 विरअस देवनं धर्जजोगिनी उउउउ
 ॐ ॐ ॐ कर कर कर रत्नाहाः ५॥२१
 अन्यारोको धामावसि पमेस्वरगुरुसमशीअदे
 लाअलीकतिपुजागरीपथाउनुधुपयकवालनु
 दरसनधुंगापलीजपिहातलेफालीबेलनु
 लनुकोनामराधनः फलानासनुकोभलमकरी
 येभन्दैजपिधुगामाफुकनु १५॥२५दिनगर्नुप्रद

॥ पैलेपचदहजारजपिमंचजगाउनु
 निमितिपुल्याकेगु ॥

ॐ नमोसिद्धीगुरुआशाकामआदेवि
 विजयचरिनमोल्याहा ५॥२१
 ईकापकासनुय नाकवा मुयकेफागेगुई

वज्र

नुनकोमोहनि ॥

ॐ ह्रीं ह्रीं धी धी वज्रजो जी नी स्पे ह्रीं
हा धा २४ नुन मीची ध्याउनु यकनु का नुन
नदि आगो मा घर काउनु वल्लुह ॥ ॥

ध्याउने मो हानि जे मा ध्याय पनि हुँ ह्रीं

ॐ सुधा चन्दन लाल केसरी तेरा
नेत्र भुलाउः कलाना देवीः मन्दरुधा
ॐ हा सि हा सि जु मन्त्र ले ॐ २ दन्त
मो हनी साथ स मुद्र पार गरु गौरा
पारवती की वा या २१ गुली योरो तीजे
मा गरी ध्याय पनी हुँ ह्रीं कंठ मे हानि ॥
जदि फुकी ध्याय पनी हुँ ह्रीं चार हजार जप नुमं
च सिद्धि हुँ ह्रीं ॥ ॥

आशा चरकाथ
2253
ASHA ARCHIVES